COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) Pre-investment survey in Jammu has started recently.

(b) Does not arise.

(c) The survey is likely to be completed by 1970.

Broadcast of Pahari Programme from A.I.R.

8312. SHRI R. K. SINHA : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) the number of Radio Stations broadcasting Programmes in the Pahari language for the people of Kumaon, Garhwal and Himachal Pradesh ; and

(b) whether Government have any plans for setting up a Radio Station in this region exclusively to cater to the needs of the hill people ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (SHRI I. K. GUJRAL) : (a) Five.

(b) Yes, Sir.

U. S. Offer of Wheat to India

8313. SHRI CHENGALRAYA NAIDU :
SHRI R. BARUA :
SHRI N. R. LASKAR :

Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that U. S. Government have offered India 130,000 tons of wheat ;

(b) if so, on what conditions ; and

(c) when it is likely to arrive ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) No such offer has been received from U. S. A. We are, however, receiving purchase authorisations under the existing PL 480 agreement for different quantities.

(b) and (c). Do not arise.

Package Plan in Mandya District of Mysore

8314. SHRI S. M. KRISHNA : Will the Minister of FOOD & AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the amount spent on the package plan in Mandya District of Mysore State;

(b) the details thereof since 1962, year-wise;

(c) the results in terms of production; and

(d) the expenditure on Jeeps, petrol and other accessories during the above period?

THE MINISTER OF STATE 1N THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) Rs. 87.892 lakhs from 1962-63 to 1968-69.

(b) The details of year-wise expenditure since 1962-63 are as follows:

Year	*Rs. in lakhs*
1962-63	8.095
1963-64	8.713
1964-65	16.200
1965-66	13.465
1966-67	13.149
1967-68	14.164
1968-69	14.106 (Provisional)

(c) The production as well as yield per hectare of rice and other important crops grown in the district showed an upward trend after the introduction of the programme except in the years 1965-66 to 1967-68 when the district faced wide-spread drought, causing a decline in yields. The total produ-

ction of rice in the district rose from 87.600 tonnes in the pre-IADP period (1959-62) to 1,43,600 tonnes in 1964-65. This was followed by a decline in the subsequent years due to drought. The production during 1968-69 for which information is not yet available is expected to be higher. So far as the average yields are concerned,the average yield of rice which was 14.9 quintals per hectare in the pre-IADP period (1959-62) rose to 24.1 quintals in 1964-65. After a decline in the subsequent years, the yield level is again looking up and is reported as 23.9 quintals per hectare in 1968-69.

(d) The information is being collected from the Government of Mysore and will be made available as soon as it is received.

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्था द्वारा धान की अधिक उपज वाले बीज का विकास

8315. **श्री क० मि० मधुकर :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बतानें की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्था ने हाल ही में बासमती चावल के लिये अधिक उपज वाले धान के बीज का विकास किया है;

(ख) क्या यह सच है कि विभिन्न किस्मों के बीज जारी करने वाली केन्द्रीय समिति ने अब तक यह बीज जारी नहीं किया है;

(ग) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार ने बिहार में इस बीज को आजमाया है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) जी हां, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने उर्वरकों के प्रति क्रियाशील अधिक उपज देने वाली बोनी किस्मों के लम्बे दाने वाले चावल का विकास किया है जिन्हें खाद्यान्न बाजार में प्रायः बासमती एवं परमल की श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है ।

(ख) भारत सरकार की बीज नियुक्त करने वाली केन्द्रीय समिति को उपरोक्त किस्मों में से किसी भी किस्म को नियुक्त करने का अभी कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

(ग) प्रश्न ही नहीं होता ।

(घ) अखिल भारतीय समन्वित चावल सुधार परियोजना के अन्तर्गत, बिहार में 1968 की खरीफ फसल में इन किस्मों पर प्रयोग किया गया तथा उन पर गर्मी की फसल के मौसम (मार्च से जूलाई 1969) में प्रयोग किया जा रहा है ।

(ङ) प्रश्न ही नहीं होता ।

अधिक उपज वाली अनाज की किस्मों के बारे में अनुसन्धान

8316. **श्री क० मि० मधुकर :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किस-किस अनाज के बारे में अधिक उपज वाले बीज प्राप्त करने के लिये अनुसन्धान किया गया है;

(ख) क्या उन व्यक्तियों को जिन्होंने इस सम्बन्ध में अनुसन्धान किये हैं; प्रोत्साहन देने के लिये कोई उपाय किये गये हैं;

(ग) यदि हां तो इसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या यह सच है कि गांवों के किसानों में इन नए कृषि अनुसन्धानों का व्यापक रूप से और शीघ्रता से प्रचार नहीं किया जा रहा है;और

(ङ) यदि हां, तो इस दिशा में सरकार ने क्या प्रयत्न किये हैं ?